हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें

Web:- www.jokhimnews.com

सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 119 हल्द्वानी (नैनीताल) गुरूवार 12 मार्च 2026 मूल्य रू 2 पृष्ठ : 8

महिला दिवस पर आयोजित पखवाड़े के तहत ग्राम मालधन क्षेत्र में युद्ध विरोधी सभा का आयोजन किया गया

रामनगर (संवाददाता)। महिला एकता मंच द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित पखवाड़े के तहत ग्राम मालधन क्षेत्र में युद्ध विरोधी सभा का आयोजन किया गया। सभा में महिलाओं ने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान और लेबनान पर किए गये हमले को आतंकवादी हमला करार देते हुए इसके खिलाफ पूरी दुनिया की जनता से उठ खड़े होने की अपील की। ग्राम मालधन चंद्रनगर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए महिला एकता मंच की संयोजक ललिता रावत ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मजदूर महिलाओं के अपने अधिकारों के लिए संघर्षों को याद करने के लिए मनाया जाता है।लेकिन आज भाजपा और कांग्रेस जैसे दलों ने महिला दिवस के कार्यक्रम को महिला संगीत जैसे नाचने गाने के कार्यक्रमों में तब्दील कर, इसकी विरासत के साथ मजाक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भी महिलाओं के साथ दूसरे दर्जे का व्यवहार किया जाता है। कानून की किताबों में समानता का अधिकार मिलने के बावजूद भी घर,समाज, दफ्तर व कार्य स्थल हर जगह महिलाओं के साथ गैर बराबरी एवं उनका यौन उत्पीड़न किया जाता है।भगवती ने कहा कि महिला दिवस महिलाओं को एकजुट होकर, समानता, स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने का संकल्प लेने का दिन है। समाजवादी लोक मंच के संयोजक मुनीष कुमार ने कहा कि अमेरिका द्वारा किए गए इस हमले के बाद से लोगों की जरूरत की वस्तुएं बहुत महंगी हो रही है। भारत सरकार द्वारा उदारीकरण वैश्वीकरण की नीतियों के परिणाम स्वरूप देश खाद, तेल, गैस व अन्य जरूरत की वस्तुओं के लिए साम्राज्यवादी मुल्कों पर निर्भर हो गया है। देश 85% पेट्रोलियम और आधे से अधिक कुकिंग गैस व खेती में इस्तेमाल होने वाली खाद के लिये विदेशी आयात पर निर्भर है। दुनिया में जरा भी संकट आने पर देश में हाहाकार मच जाता है। इस समय दुनिया में कच्चे तेल के दाम 100 रुपए प्रति बैरल को छू रहे हैं। ईरान द्वारा हार्मुज स्टेट का समुद्री रास्ता बंद किए जाने के कारण भारत को गल्फ देशों द्वारा निर्यात की जाने वाले कच्चे तेल, खाद और गैस की आपूर्ति बंद हो चुकी है। भारत में उत्पन्न संकट आत्मनिर्भर विकास की जगह जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर नीतियों का परिणाम है। आज देश में गैस के दाम60 प्रति सिलेंडर बढ़ा दिए गए हैं और कमर्शियल सिलेंडरों की उपलब्धता न होने के कारण लाखों लोग चाय की दुकानें और रेस्टोरेंट व अन्य कारोबार बंद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल का ईरान आदि देशों पर हमला दुनिया पर अपना आधिपत्य स्थापित करने, ईरान में मौजूद कच्चे तेल और प्राकृतिक संसाधनों की लूट के लिए है।

महिला जनसुनवाई कार्यक्रम में तीन शिकायतों पर सुनवाई

अल्मोड़ा(संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग के श्आपके द्वारश कार्यक्रम के तहत विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला आयोग की सदस्य उर्मिला जोशी और रचना जोशी ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना, उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान आयोग की सदस्यों ने महिलाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान आयोग को तीन शिकायतें प्राप्त हुईं, जिन पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, कार्यस्थल पर उत्पीड़न, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, संपत्ति विवाद तथा अन्य सामाजिक विषयों से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा की गई। आयोग की सदस्यों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा करना आयोग की प्राथमिकता है। उन्होंने महिलाओं से किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में निःसंकोच शिकायत दर्ज कराने की अपील की, ताकि समयबद्ध तरीके से समाधान किया जा सके। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा संबंधी प्रावधानों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस दौरान जिला विकास अधिकारी संतोष कुमार पंत, उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीताम्बर प्रसाद, पुलिस विभाग के प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

ताराबियों में कुरआने पाक मुकम्मल

रामनगर (संवाददाता)। ग्राम शक्तिनगर आला हजरत मस्जिद में ताराबियों में कुरआने पाक मुकम्मल हुआ। आला हजरत मस्जिद के सदर हाजी शकील अहमद अंसारी ने बताया कि 19 रमजान को आला हजरत मस्जिद में ईमाम सद्दाम रजा ने ताराबियों में कुरआने पाक सुनाया और हाफिज फुरकान ने कुरआने पाक सुना गया।इस मौके पर शहर काजी गुलाम मुस्तफा नईमी ने मुस्लिम समाज के लोगों को रमजान और कुरआने पाक की फजीलत बताई।उसके बाद अल्लाह पाक की बारगाह में हाथ उठाकर देश की तरक्की,अमन चौन,भाईचारा और खुशहाली के लिए दुआ मांगी गई।इस दौरान आला हजरत मस्जिद के सदर हाजी शकील अहमद अंसारी, मुफ्ती मोहम्मद आजम, मुफ्ती मोहम्मद फरमान, मौलाना इंसाफ,मुफ्ती सलीम,कारी नफीस,कारी फारुख, मौलाना अफजाल,नईम बाबा,नसीम अहमद आदि मौजूद रहें।

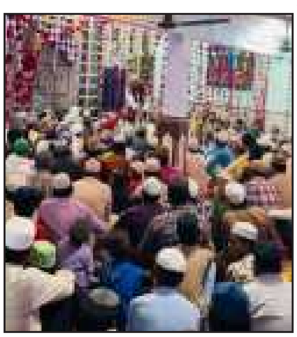

रामनगर में युवा आकांक्षा कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, युवाओं की उम्मीदों और विभिन्न मुद्दों पर खुलकर बोले

रामनगर (संवाददाता)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में आयोजित युवा आकांक्षा कार्यक्रम युवाओं की बात हरीश रावत के साथ, कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शिरकत की,इस दौरान उन्होंने युवाओं की आकांक्षाओं, धार्मिक मुद्दों, गैरसैंण और पर्यटन नगरी में गैस संकट जैसे कई विषयों पर अपनी प्रतिक्रिया दी।रामनगर के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में आयोजित युवा आकांक्षा कार्यक्रम, युवाओं की बात हरीश रावत के साथ में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पहुंचे।कार्यक्रम संयोजक जयेष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी रहेइस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि युवा आकांक्षा एक बेहद महत्वपूर्ण विषय है, जिसे समझना समाज, राज्य और देश के लिए जरूरी है, उन्होंने कहा कि कई युवा साथियों, जिनमें संजय नेगी, आनंद रावत और अन्य युवाओं ने उनसे आग्रह किया कि वे युवाओं के साथ बैठकर उनकी बात सुनेंइसी उद्देश्य से वह रामनगर आए हैंउन्होंने कहा कि वह यहां युवाओं की आकांक्षाओं को समझने और उनकी समस्याओं को जानने के लिए पहुंचे हैं,यदि युवाओं के सुझावों में कोई ऐसी बात सामने आती है जिसमें उनकी भूमिका या मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी, तो वह उसे आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से लोग आए हैं, जिनमें हल्द्वानी,काशीपुर, कालाढूंगी नैनीताल और आसपास के क्षेत्र शामिल हैंउन्होंने कहा कि आज सबसे अधिक अपेक्षाएं उस युवा वर्ग से से हैं जो 40 से 45 वर्ष की आयु के बीच है और कई बार निराशा का सामना कर रहा है,ऐसे में उनकी आकांक्षाओं को समझना और उनके लिए विकास के नए अवसर तैयार करना बेहद जरूरी है.

सम्पादकीय

सरकारी कर्मचारी कब से कर्मयोगी होने लगे!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एक नया जुमला बोला। उन्होंने एआईओ मानव की बात कही। पहले भी नरेंद्र मोदी की सरकार यही काम करती रही है। ऐसा लगता है कि सरकार की पूरी टीम इसी काम में लगी रहती है कि कैसे हिंदी, अंग्रेजी और जरुरत हो तो उर्दू के शब्दों के पहले अक्षर लेकर एक शब्द बनाया जाए। कुछ दिन पहले ही विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण यानी वीबी जी राम जी कानून बना। सोचें, कितनी मेहनत लगी होगी इस कानून को जी राम जी नाम देने में। इसमें हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू के शब्द एक साथ शामिल किए गएउसी तर्ज पर मानव का जुमला प्रधानमंत्री ने बोला है। यह एक हिंदी शब्द है, जिसके अंग्रेजी अक्षरों एमएएनएवी से बना कर कुछ मैसेज देने की कोशिश की गई। इसमें एम फॉर मोरल यानी नैतिक, ए फॉर अकाउंटेबिलिटी यानी जवाबदेही, एन फॉर नेशनल सॉवरेनिटी यानी राष्ट्रीय संप्रुभता, ए फॉर एक्सेसिबल यानी सुगम और वी फॉर वैलिड यानी वैध। ऐसा लगता है कि पहले तय किया गया कि एआई का मानव बनाना है और फिर मानव की अंग्रेजी स्पेलिंग के अक्षरों के आधार पर कुछ शब्दों का चयन करके इसे ऐसे प्रस्तुत किया गया, जैसे कोई बड़ी दार्शनिक बात हो। ध्यान रहे अमेरिका के जिन टेक दिग्गजों ने 10 साल पहले एआई की कल्पना की थी और उसे मूर्त रूप दिया तो उनको कभी इस तरह के जुमले गढ़ने की जरुरत नहीं पड़ी। उन्होंने अपने विचार को धरातल पर उतारा। लेकिन भारत के पास एआई के क्षेत्र में देने के लिए नया कुछ नहीं है तो श्मानवश्च का जुमला दे डाला।इस सम्मेलन में हिस्सा लेने आए गूगल के सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और मुलाकात से बाहर निकले तो मीडिया के सामने कहा कि उनकी कंपनी भारत के दो करोड़ कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण देगी। यह काम दशकों से हो रहा है। अमेरिका और यूरोप के देश तकनीक बनाते हैं और उसे भारत में बेचने से पहले भारत को लोगों को उसका प्रशिक्षण देते हैं। ताकि वे उसके उपयोक्ता बन सकें। यही काम कंप्यूटर और ऑपरेटिंग सिस्टम के मामले में 40 साल पहले हो रहा था और अब एआई के मामले में हो रहा है। लेकिन यहां भी प्रधानमंत्री की टीम जुमला उछालने से बाज नहीं आई। गूगल के पेशेवर भारत सरकार के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देंगे और उस परियोजना का नाम कर्मयोगी होगा। सोचें, भारत के सरकारी कर्मचारी कब से कर्मयोगी होने लगे! ज्यादातर सरकारी कर्मचारियों से आम नागरिकों की शिकायत यह रहती है कि वे कामचोर होते हैं और रिश्वत लेते हैं। तो क्या अब एआई से कैसे कामचोरी करें और कैसे रिश्वत लें इसकी ट्रेनिंग दी जाएगी? यह भी सवाल है कि जब भारत विश्वगुरू है तो अमेरिका की कंपनी के लोग भारत के कर्मचारियों को क्यों ट्रेनिंग देंगे? कायदे से तो मोदीजी को भारत से लोगों को भेजना चाहिए था, जो अमेरिका और यूरोप के लोगों को ट्रेनिंग देंगे। दुनिया हमको सिखाएगी एआई चलाना और जबकि हम अपने को विश्वगुरू कहते हैं!संसद के बजट सत्र में एक दिन राज्यसभा की कार्यवाही में कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने इस मामले में अच्छा कहा। राजीव शुक्ला ने कहा कि गुरू होने के लिए शिष्य की जरुरत होती है। लेकिन भारत के पास शिष्य कहां हैं? उन्होंने याद दिलाया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ कई देश खड़े रहे लेकिन भारत के साथ एक भी देश खड़ा नहीं हुआ।

साधु संत भी राजनीतिक लाइन पर बंटे

अजीत द्विवेदी

उत्तर प्रदेश में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ जो हो रहा है वह भारतीय समाज के अंदर पल रही एक बड़ी बीमारी का लक्षण है। वह बीमारी धार्मिक और सामाजिक विभाजन की है, जिसे राजनीतिक लाभ के लिए बढ़ाया जा रहा है। यह पहली बार हो रहा है कि देश और समाज इस कदर निभाजित हुआ है। पहले समाज के स्तर पर विभाजन चुनावों के समय दिखते थे। हालांकि वह भी बहुत सीमित होता था। लेकिन आज स्थायी रूप से एक विभाजन दिखता है और दुर्भाग्य की बात यह है कि नेताओं के साथ साथ धर्मगुरु, आध्यामिक कार्यों में लगे लोग और साधारण से लेकर शंकराचार्य के स्तर तक साधु संत भी राजनीतिक लाइन पर बंटे हुए हैं।लोग साधु, योगी और कथावाचक की जाति खोज ले रहे हैं और फिर उस आधार पर उसके समर्थन या विरोध में खड़े हो जाते हैं। लेकिन यह किसी स्वाभाविक प्रक्रिया के तहत नहीं हो रहा है। केंद्र की मौजूदा सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी राजनीतिक लाभ के लिए सुनियोजित तरीके से इस विभाजन को बढ़ा रही है। शंकराचार्य का मामला और यूजीसी की नियमावली इसके दो ताजा संकेत हैं।बहरहाल, यह दुर्भाग्य है कि एक राष्ट्र के रूप में भारत और इसके 140 करोड़ लोगों के नैतिक, धार्मिक या आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करने वाले साधु या संत या धर्मगुरू खोजने से नहीं मिलेंगे लेकिन नफरत फैलाते साधु संत चारों तरफ मिल जाएंगे। इतिहास में कभी भी भारत की आध्यात्मिक परंपरा ऐसी नहीं रही थी। ईसाई धर्मगुरू भड़काऊ बातें करते थे और झूठे सच्चे वादे करके धर्म परिवर्तन कराते थे या इस्लाम के प्रचारक मौलाना आदि भड़काऊ भाषणों से लोगों को उकसाते थे, जिहाद के लिए प्रेरित करते थे लेकिन हिंदू साधु संत इस तरह के काम नहीं करते थे।यह अंतर बहुत साफ दिखता था और ऐसा इसलिए भी है क्योंकि बुनियादी रूप से ईसाई और इस्लाम दोनों राजनीतिक धर्म हैं, जो लालच या भय से फैलाए गए हैं। महात्मा गांधी ने साम्राज्यवाद को फैलाने वाली शक्तियों के तौर पर ईसाई पादरियों और चर्च को रेखांकित किया था। उन्होंने कहा था कि पहले इनके पादरी आते हैं, फिर इनके व्यापारी आते हैं और अंत में इनकी सेना आती है। इसी तरह इस्लाम तलवार के दम पर फैलता है यह आरोप अक्सर लगते रहते हैं।लेकिन इस तरह की बातें हिंदू धर्म को लेकर नहीं कही जाती हैं तो इसका कारण यह था कि हिंदू धर्म के शंकराचार्य हों या दूसरे साधु संत हों वे समाज सुधार के कार्यों में रहते थे या धार्मिक अनुष्ठानों और आध्यात्मिक श्रेष्ठता प्राप्त करने के उपक्रमों में रहते थे। समय के साथ साथ इसमें बड़ा बदलाव आया है। अब भारत के साधु संत खुल कर राजनीति की बातें करते हैं। पार्टियों और नेताओं का समर्थन करते हैं। पांच हजार साल की सनातन परंपरा से अलग हट कर इस या उस नेता को हिंदू धर्म के रक्षक के रूप में रेखांकित करते हैं। सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली बातें करते हैं। जाति और धर्म को लेकर ऐसी टिप्पणियां करते हें, जैसी टिप्पणी करने से नेता भी हिचकते हैं। देश के सम्मानित माने जाने वाले साधु संत महिलाओं को लेकर ऐसी अनर्गल बातें करते हैं, जिन्हें सुन कर सिर शर्म से झुक जाता है।आज साधु संतों का आकलन उनकी योग्यता या धार्मिक, आध्यात्मिक उपलब्धियों के आधार नहीं किया जाता है, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि उसके आश्रम में कितनी भीड़ जुटती है, उसके आगे पीछे कितनी गाड़ियां चलती हैं, उसके आश्रम में कौन नेता, अभिनेता या खिलाड़ी पहुंचा, उसे कैसी सुरक्षा मिली हुई है आदि आदि। अगर धर्मगुरू चार्टर्ड फ्लाइट से चलता है तो वह सर्वश्रेष्ठ मान लिया जाएगा भले उसकी बातें कितनी भी मूर्खतापूर्ण और समाज का विभाजन करने वाली क्यों न हों। यह स्थिति एक राष्ट्र और समाज के रूप में भारत को रसातल में ले जा रही है।बहरहाल, विषयांतर हो गया लेकिन प्रयागराज वे माघ मेले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों के साथ जो हुआ और अब जिस तरह से एक दूसरे संत के हिस्ट्रीशीटर शिष्य द्वारा उनके खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के आरोप लगा कर मुकदमा दर्ज कराया गया है वह इस गंभीर व्याधि का एक लक्षण है। सबको पता है कि अविमुक्तेश्वरानंद वाचाल हैं। वे शंकराचार्य स्वरूपानंद के शिष्य हैं और अपने गुरू की तर्ज पर खूब बयानबाजी भी करते हैं। उनके बयान अक्सर भाजपा और उसकी केंद्र व राज्यों की सरकारों के खिलाफ होते हैं। उन्होंने पिछले साल के कुंभ मेले में हुई भगदड़ और उसकी मौतों को लेकर तल्ख टिप्पणी की थी। उन्होंने राज्य की भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। इस आधार पर उनको भाजपा विरोधी और कांग्रेस समर्थक साधु माना जाता है।हालांकि वे कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के खिलाफ भी बोलते रहते हैं। प्रयागराज में उनके साथ जो हुआ और उसके बाद से जो हो रहा है वह उनकी राजनीतिक सक्रियता से जुड़ा हुआ है। शुरुआत मौनी अमावस्या के दिन हुई, जब वे अपनी पालकी से शाही स्नान के लिए जा रहे थे और उनकी पालकी रोक दी गई है। प्रोटोकॉल का हवाला दिया गया। जब उनके शिष्यों ने आगे बढ़ने का उपक्रम किया तो बल प्रयोग करके सबको रोका गया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पालकी की क्षत्रप टूट गई और उनके शिष्यों को, जिनमें वेदपाठी ब्राह्मण बटुक थे, गिरा गिरा पर लातों, घूसों से पीटा गया। इसके बाद जब वे अन्न, जल त्याग कर अनशन पर बैठे तो उनको एक नोटिस भेज दिया गया कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है तो वे अपने को शंकराचार्य क्यों कह रहे हैं।सबसे पहली बात तो यह है कि मेले का प्रोटोकॉल एक बात है लेकिन धर्मगुरुओं के स्नान की परंपरा तो धर्मगुरु ही तय करते हैं। कोई भी धार्मिक परंपरा सरकार नहीं तय करती है। वह धर्मगुरू तय करते हैं। इसी तरह किस संत का पट्टाभिषेक किस रूप में हुआ है यह भी तय करना प्रशासन का काम नहीं है। देश में अनगिनत अखाड़े, मंदिर, मठ, आश्रम आदि हैं उनमें प्रधान तय करने का अपना सिस्टम है। स्वंय योगी आदित्यनाथ को उनके गुरू योगी अवैद्यनाथ ने गोरक्षापीठ का महंत नियुक्त किया।ऐसे ही शंकराचार्य की नियुक्ति शंकराचार्य करते हैं। अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति उनके गुरू स्वरूपानंद ने की थी। इसके अलावा दूसरी परंपरा यह है कि चारों शंकराचार्य, जिसको शंकराचार्य मानेंगे वही असली होगा। चार में शृंगेरी और द्वारका के शंकराचार्य उनको शंकराचार्य मानते हैं, जबकि पुरी के शंकराचार्य उनके स्टैटस को लेकर खामोश थे। इस विवाद के बाद उन्होंने भी समर्थन किया है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा शुरू होने से पहले उनका पट्टाभिषेक भी हो चुका है। हालांकि प्रशासन के सामने इस सफाई की आवश्यकता नहीं थी। यह दुर्भाग्य है कि एक साधु को इस तरह की सफाई देनी पड़ रही है। दूसरी ओर पुलिस, प्रशासन और राज्य या केंद्र की सरकार में से किसी ने उनके अनशन की सुध नहीं ली। वे अन्न जल त्याग कर अनशन पर बैठे रहे और ऐसा लग रहा है कि राज्य व केंद्र की सरकार को लगा कि इनके साथ यही बरताव होना चाहिए क्योंकि ये हमारे विरोधी है। यह राजनीतिक आधार पर साधु संतों के बंटने की अनिवार्य परिणति है। आज अगर केंद्र व उत्तर प्रदेश की सरकार के कामकाज पर सवाल उठाने की वजह से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद प्रशासन का शिकार बनें हैं तो कल कांग्रेस की सरकार आने पर या किसी कांग्रेस शासित राज्य में उन संतों के साथ ऐसा ही हो सकता है, जो सोनिया या राहुल गंधी और कांग्रेस के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं। ऐसे संतों की लंबी सूची है। उनको सोचना चाहिए कि जब इस व्यवस्था में एक शंकराचार्य के साथ ऐसा हो सकता है तो अनपढ़, अज्ञानी कथावाचकों और कथित साधु संतों का क्या होगा?

संक्षिप्त समाचार...

गैस बुकिंग सिस्टम ठप, उपभोक्ताओं की बढ़ी परेशानी

ऋषिकेश (संवाददाता)। घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग को लेकर उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। जिस मोबाइल नंबर पर पहले आसानी से गैस बुक हो जाया करती थी, अब उन्हीं नंबरों पर बुकिंग संभव नहीं हो पा रही है। इससे क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रेमनगर बाजार के भारत गैस के उपभोक्ता गोपाल गुप्ता ने बताया कि पहले जिन नंबरों पर कॉल कर गैस बुक हो जाती थी, अब उन पर या तो कॉल नहीं लग रही या फिर बुकिंग की सुविधा बंद बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि अचानक व्यवस्था बदलने से आम लोगों को काफी दिक्कत हो रही हैं। इंडियन गैस की उपभोक्ता चमेली देवी ने बताया कि गैस बुकिंग के लिए बार-बार कॉल करने पर सिस्टम द्वारा अवैध नंबर बताया जा रहा है, जबकि यही नंबर पहले नियमित रूप से काम कर रहे थे। कई दिनों से कोशिश के बावजूद गैस बुक न हो पाने से चिंता बढ़ गई है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया प्रशिक्षण

ऋषिकेश (संवाददाता)।महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग की ओर से नरेंद्रनगर ब्लॉक की 79 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार से शुरू हो गया। मुनिकीरेती नगर पालिका में पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत उन्हें तीन से छह वर्ष के बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और स्कूल से पूर्व शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया गया। उन्हें बच्चों को दिए जाने वाले खाद्य पदार्थों में पोषण को लेकर भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बाल विकास परियोजना अधिकारी शशि बिष्ट, सुपरवाइजर किरन राणा, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से जुड़े संदीप, पवन कुमार, मनोहर सिंह, शीला भट्ट आदि मौजूद रहे।

शहर में नहीं दिखेगा कूड़े का पहाड़

ऋषिकेश (संवाददाता)। शहर में हरिद्वार रोड किनारे दशकों से जमा कचरा के निस्तारित होने का रास्ता साफ हो गया है। नगर निगम के छह करोड़ 89 लाख रुपये से निस्तारण से जुड़े प्रस्ताव पर शासन ने मुहर लगा दी है। जिस पर अब निगम ने डंपिंग ग्राउंड में पहाड़ का आकार ले चुके कचरे के निस्तारण के लिए एजेंसी हायर करने को टेंडर कॉल कर दिए हैं। अप्रैल से न सिर्फ कचरा निस्तारण का कामकाज शुरू होने की उम्मीद है, बल्कि इस डंपिंग ग्राउंड में ताजा कचरा डालना भी बंद करने का दावा नगर निगम प्रशासन ने किया है। अप्रैल में ही नगर निगम क्षेत्र से तमाम वार्डों से निकलने वाला गीला-सूख कूड़ा निस्तारण के लिए लालपानी में अंतिम चरण में पहुंच चुके कूड़ा निस्तारण प्लांट में जाएगा।खास बात यह है कि यह कचरा महज शहर की सुंदर को ही प्रभावित नहीं कर रहा था, दुर्गंध की वजह से लोगों को कई दफा सांस तक लेना मुश्किल हो रहा था। आसपास के लोगों को सेहत खराब होने का भी डर बना रहता था।मेयर ने डंपिंग ग्राउंड का किया निरीक्षणबुधवार को मेयर शंभू पासवान और नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने डंपिंग ग्राउंड का निरीक्षण भी किया। नगर आयुक्त ने बताया कि फिलहाल डंपिंग ग्राउंड में एक लाख 30 हजार मैट्रिक टन कचरा जमा है, जिसके निस्तारण के लिए ही टेंडर किया गया है। बताया कि अप्रैल से निस्तारण शुरू होने के बाद छह माह के बाद यहां से पूरा कचरा हट जाएगा।

वन भूमि विवाद के मुद्दें से सीएम को कराया अवगत

ऋषिकेश (संवाददाता)। विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने गैरसैंण में आयोजित विधानसभा सत्र के तीसरे दिन की कार्यवाही से पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। उन्होंने सीएम से ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के बापूग्राम सहित अन्य क्षेत्रों में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वन विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही के विषय में विस्तार से चर्चा की। बुधवार सुबह भराड़ीसैण स्थित सीएम आवास में ऋषिकेश विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। उन्होंने सीएम को बताया कि बापूग्राम सहित इन क्षेत्रों में पिछले लगभग 75 से 80 वर्षों से 15 से 20 हजार परिवार निवास कर रहे हैं, जिनकी कुल आबादी लगभग 60 हजार के आसपास है। ऐसे में अचानक से वन विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही से हजारों परिवारों के सामने आवास और आजीविका का गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने अनुरोध किया कि क्षेत्र के हजारों परिवारों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए। विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आश्वस्त करते हुए कहा कि बापूग्राम के अतिरिक्त प्रदेश के तीन अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार की समस्या सामने आई है और इन सभी मामलों का समग्र समाधान निकालने के लिए सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। इन विषयों को बहुत जल्द कैबिनेट में लाया जाएगा। ताकि प्रभावित परिवारों के हितों की रक्षा करते हुए उचित एवं व्यावहारिक निर्णय लिया जा सके।

मॉक ड्रिल: गंगा में बहे दो बच्चे, दो टापू पर फंसे

ऋषिकेश (संवाददाता)। टिहरी बांध से बुधवार को अचानक 500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने की सूचना से ऋषिकेश में हड़कंप मच गया। इस बीच त्रिवेणीघाट पर पानी पहुंचने से दो बच्चे बह गए जबकि बच्चे टापू पर फंस गए। जल पुलिस ने एजेंसियों के साथ रेस्क्यू कर चारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। यह सब आपदा प्रबंधन की व्यवस्था को परखने के लिए बुधवार को मॉक ड्रिल के तहत किया गया। गंगा के उफान में सांप और मगरमच्छ तक आ गए। अफरातफरी मचने से पांच बच्चे परिजनों से बिछुड़ गए। तत्काल रिस्पांस देते हुए पुलिसकर्मियों ने उन्हें चारधाम ट्रांजिट कैंप में बने रिलीफ सेंटर में पहुंचाया। त्रिवेणीघाट और आसपास में पूर्वान्ह 11 बजे तक चली मॉक ड्रिल के माध्यम से राहत-बचाव में सरकारी महकमों में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की तत्परता को परखा गया। एसडीएम योगेश मेहरा की देखरेख में समन्वय और संवाद के लिए वायरलेस आदि सिस्टम को भी चेक किया गया। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल में सभी विभागों का रिस्पांस टाइम बेहतर रहा। बताया कि सुबह आठ बजे टिहरी बांध से पानी छोड़ने की सूचना के बाद यह पूरी ड्रिल सुरक्षा इंतजामों को पुख्ता करने के लिए आयोजित की गई थी। ड्रिल में पुलिस, एसडीआरएफ, जल पुलिस, स्वास्थ्य, पूर्ति, वन, स्वास्थ्य, संभागीय परिवहन विभाग, नगर निगम, ऊर्जा निगम आदि महकमों के अधिकारी शामिल रहे।

साधकों ने ध्यान और मंत्रोच्चार से शांति और दिव्य ऊर्जा का किया अनुभव

ऋषिकेश (संवाददाता)। परमार्थ निकेतन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के तीसरे दिन बुधवार को साधकों ने योग और ध्यान के जरिए दिव्य ऊर्जा का अनुभव किया। इस दौरान साधकों ने विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास भी किया। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती और डॉ. साध्वी भगवती सरस्वती के सान्निध्य में साधकों ने महर्षि महेश योगी आश्रम की पवित्र भूमि पर विशेष ध्यान साधना की। इस दौरान विश्व शांति के लिए विशेष प्रार्थना की गई। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और हरित संवर्द्धन के रुद्राक्ष के पौधों का रोपण करते हुए प्रकृति के साथ सामंजस्य और संतुलन बनाए रखने का स्वामी चिदानंद सरस्वती ने संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह वही दिव्य स्थल है, जहां कभी बीटल्स ने ध्यान साधना की थी। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि योग शक्ति है, भक्ति है, संगीत है और शांति भी है। योग दिलों और देशों के साथ प्रकृति और संस्कृति को जोड़ता है। यह आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का दिव्य सेतु है। उन्होंने वैश्विक योगी समुदाय का आह्वान करते हुए कहा कि योग की इस शक्ति से हम विश्व शांति की दिशा में कदम बढ़ाएं। आइए भारत की दिव्य योग परंपरा और उत्तराखंड की पावन कंदराओं से निकलने वाली ध्यान-साधना की विधाओं को आत्मसात करते के लिए योग से जुड़ें। इसे जिएं और जीवन को एक नई दिशा दें। डॉ. साध्वी भगवती सरस्वती ने गाइडेड मेडिटेशन कराते हुए प्रतिभागियों को अपने भीतर की ऊर्जा और शांति से जुड़ने का मार्ग दिखाया।

प्लंबर और पंप ऑपरेटरों ने जल संरक्षण की शपथ ली

ऋषिकेश (संवाददाता)।जल महोत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत विश्व प्लंबर दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पेयजल योजनाओं में कार्यरत प्लंबरो एवं पंप ऑपरेटरों को सम्मानित किया गया और जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। बुधवार को विकासखंड डोईवाला के ब्लॉक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख गौरव चौधरी ने कहा कि जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति में प्लंबरों और पंप ऑपरेटरों की भूमिका बेहद अहम है। इनके समर्पण से ही हर घर तक पानी पहुंच पाता है। जल बचाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। कार्यक्रम में उत्तराखंड पेयजल निगम के सहायक अभियंता अमजद खान ने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्लंबरो को जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

हरिद्वार (संवाददाता)। हरिद्वार और मोतीचूर रेलवे स्टेशन के बीच बुधवार सुबह अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। सूचना मिलने पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा गया। पुलिस मृतक की पहचान कराने के प्रयास में जुटी है। पुलिस के मुताबिक सुबह रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल पड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक बिपिन चंद्र पाठक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में सामने आया कि उत्कल एक्सप्रेस के गुजरने के दौरान व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अनुमान है कि व्यक्ति रेलवे लाइन पार करने के दौरान हादसे का शिकार हुआ होगा। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन अब तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है। जीआरपी प्रभारी बिपिन चंद्र पाठक ने बताया कि शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

पंचायतों के कार्यों में तेजी लाने के लिए पंचायत घरों में बैठेंगे पंचायत अधिकारी

डोईवाला (संवाददाता)। आमजन की सुविधाओं को देखते हुए डोईवाला ब्लॉक प्रमुख गौरव सिंह ने एडीओ पंचायत राजेश नेगी व पंचायत अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई अहम फैसले लिए गए ताकि समय पर जनता के कार्य हो सके ओर कार्यों में तेजी लाई जा सके। डोईवाला ब्लॉक प्रमुख गौरव सिंह ने बताया कि सभी पंचायत अधिकारी रोस्टर के हिसाब से अपनी अपनी पंचायतों में बैठेंगे ताकि गांव के पंचायत घरों में ही समस्याओं का समाधान हो सके। इसके अलावा प्रत्येक शनिवार को डोईवाला ब्लॉक कार्यालय में रह कर जनता के कार्य करेंगे। इससे जहां आमजन के कार्य तेजी से हो सकेंगे, तो वहीं पंचायतें भी मजबूत हो सकेगी।

पूर्व सैनिकों के प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों को सैनिक कल्याण मंत्री जोशी के समक्ष रखा

- धामदेवल चिकित्सालय का नाम वीर सैनिक मोहन सिंह महारा के नाम पर रखने की मांग

चमोली (संवाददाता)। बजट विधानसभा सत्र 2026 के दौरान आज जनपद अल्मोड़ा के विकासखण्ड चौखुटिया से आए जनमानस कल्याण समिति धामदेवल के पदाधिकारियों ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों को सैनिक कल्याण मंत्री जोशी के समक्ष रखा। पदाधिकारियों ने सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से आग्रह किया कि चौखुटिया विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम सभा हाट-झला के मध्य स्थित राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय धामदेवल का नाम वर्ष 1971 के युद्ध के वीर सैनिक मोहन सिंह महारा के नाम पर रखा जाए। इसके साथ ही क्षेत्र में शहीद स्वतंत्रता सेनानी स्थल के निर्माण की भी मांग की गई, ताकि आने वाली पीढ़ियां देश के वीरों के बलिदान से प्रेरणा ले सकें। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें सकारात्मक आश्वासन दिया और कहा कि इस संबंध में शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा से सैनिकों और पूर्व सैनिकों के सम्मान एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व सैनिक रघुवर दत्त, महासचिव प्रताप सहित अन्य पूर्व सैनिक भी उपस्थित रहे।

शीतकाल के बाद बदरीनाथ मास्टर प्लान का काम फिर शुरू

चमोली (संवाददाता)। शीतकाल में तीन माह से बंद पड़ा बदरीनाथ मास्टर प्लान का काम फिर से शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग की कार्यदायी संस्था पीआईयू की 30 इंजीनियरों और 50 से अधिक मजदूरों की टीम बदरीनाथ धाम पहुंच गई है। इस वर्ष कार्यदायी संस्था के सम्मुख तीर्थ पुरोहित आवास और रीवर फ्रंट के कार्यों को पूरा करने की चुनौती रहेगी। फिलहाल टीम की ओर से जगह-जगह पर जमी बर्फ को हटाने का काम किया जा रहा है। बदरीनाथ मास्टर प्लान के तहत धाम में दूसरे चरण के कार्य चल रहे हैं। बदरीनाथ मंदिर परिसर के 75 मीटर हिस्से में अब सौंदर्यीकरण के काम किए जाने हैं। मगर क्षेत्र में किसी भी तरह से पौराणिक चीजों से छेड़छाड़ नहीं की जानी है। इसके लिए विशेषज्ञों की टीम की ओर से इस क्षेत्र का गहनता से सर्वे किया जाएगा। पीआईयू के अधिशासी अभियंता योगेश मनराल का कहना है कि बदरीनाथ मास्टर प्लान का काम फिर से शुरू कर दिया गया है। धाम में इंजीनियरों की टीम पहुंच गई है। 50 से अधिक मजदूर भी पहुंच गए हैं। तीर्थ पुरोहित आवास और रीवर फ्रंट के कार्यों को पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। यात्रा के बीच मास्टर प्लान के कार्यों को संचालित करने की भी रहेगी चुनौती: बदरीनाथ धाम की तीर्थयात्रा के बीच मास्टर प्लान के कार्यों को संचालित करने की चुनौति भी कार्यदायी संस्था के सामने रहेगी। बदरीनाथ मंदिर तक पहुंच मार्ग पर अलकनंदा पर निर्मित पुल के निचले हिस्से में दीवार निर्माण कार्य किया जाना है। यहां बड़ी संख्या में तीर्थयात्री इकटठा रहते हैं। इसके अलावा मंदिर के इर्दगिर्द निर्माण कार्य को भी संचालित किया जाना है। पीआईयू के अधिकारियों का कहना है कि आगामी बरसात तक अधिक से अधिक कार्यो को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

धर्म और गोसंरक्षण के मुद्दे पर चलेगा जनजागरण अभियान

चमोली (संवाददाता)। धर्म और गोसंरक्षण के लिए ज्योतिर्मठ के ज्योतिषपीठ में बुधवार को धर्मसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कहा गया कि यदि शीघ्र उत्तर प्रदेश सरकार धर्म और गोसंरक्षण के मुद्दे पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं करती तो देशभर में जनजागरण और व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा। ज्योतिषपीठ के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने उत्तर प्रदेश सरकार को 40 दिन में गाय को राज्य माता घोषित करने, गोहत्या को पूरी तरह बंद करने का संदेश दिया था। मगर समय पूरा होने के बाद भी कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर बुधवार को इस मुद्दे पर धर्म सभा का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने इसको लेकर अपने-अपने विचार रखे। सभा में धर्म, संस्कृति, राष्ट्र हित की रक्षा का संकल्प लिया गया। इस दौरान शंकराचार्य मठ के व्यवस्थापक स्वामी विष्णुप्रियानंद महाराज, जगदीश उनियाल,अधिवक्ता दिलबर फरस्वाण, दिगंबर बिष्ट, लक्ष्मण बुटोला, आशीष फरस्वाण आदि मौजूद रहे।

पौड़ी : घरेलू रसोई गैस की नहीं किल्लत, पर्याप्त हैं सिलिंडर

पौड़ी (संवाददाता)। व्यावसायिक गैस सिलिंडरों के दाम बढ़ने और आपूर्ति बाधित होने से होटल व्यावसायियों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि पूर्ति विभाग घरेलू गैस सिलिंडरों की पर्याप्त मात्रा में होने का दावा कर रहा है। होटल व्यावसायी संजू राणा, राजेश नेगी, मो. रकीब आदि ने बताया कि पौड़ी स्थित गैस एजेंसियों से व्यावसायिक गैस सिलिंडर नहीं मिल पा रहे। व्यावसायिक सिलिंडरों के दाम बढ़ने के बाद भी बुकिंग के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित होने से आने वाले दिनों में व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। संजू राणा ने बताया कि दो-तीन दिन के लिए ही सिलिंडर बचा हुआ है। ऐसे में होटल को बंद करना ही विकल्प बच जाएगा। घरेलू गैस 960 रुपये प्रति सिलिंडर दिया जा रहा है। वहीं जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि पौड़ी में घरेलू गैस सिलिंडर की कोई किल्लत नहीं है। शहर में फिलहाल साढ़े आठ हजार घरेलू गैस सिलिंडरों का भंडारण है जबकि व्यावसायिक गैस के लिए एजेंसियों के साथ बैठक बुलाई गई है। जल्द ही समाधान भी निकाला जाएगा। व्यावसायिक सिलिंडरों की उपयोगिता से होटल कारोबारी प्रभावित: होटल कारोबारी गौरव भाटिया ने बताया कि होटलों में 19 किलो के व्यावसायिक सिलिंडरों का उपयोग होता है। सिलिंडर की आपूर्ति बंद होने से कारोबार प्रभावित होने लगा है। यही स्थिति रही तो 15 मार्च के बाद होटल कारोबारियों को अपना काम बंद करना पड़ेगा। कोटद्वार गैस एजेंसी के मैनेजर अमन रावत ने बताया कि व्यावसायिक गैस सिलिंडर की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई है। एजेंसी के पास महज पांच किलो के गैस सिलिंडर ही उपलब्ध हैं। घरेलू गैस सिलिंडर की आपूर्ति भी पिछले दस दिनों में काफी प्रभावित हुई है। तीन मार्च की बुकिंग के घरेलू गैस सिलिंडरों का वितरण बुधवार को किया गया।

सूचना के अभाव में खाली रही राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई

नई टिहरी (संवाददाता)। राज्य महिला आयोग की ओर से आयोजित जनसुनवाई में सूचना के अभाव में फरियादी नहीं पहुंचे। इस पर राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत ने हैरानी जताई। बाद में फोन पर संपर्क किए जाने के बाद केवल एक शिकायतकर्ता महिला ही सुनवाई के लिए पहुंच सकी। इसके अलावा महिला उत्पीड़न से संबंधित सात शिकायतें दर्ज की गई। राज्य महिला आयोग आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई थी जिसमें एक भी फरियादी नहीं पहुंचा। जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय गौरव ने बताया कि संभवत: आयोग की ओर से शिकायतकर्ताओं को जनसुनवाई की सूचना दी गई होगी। इसके बाद उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत, जिला कार्यक्रम अधिकारी ने शिकायतकर्ताओं के फोन नंबर लेकर उनसे संपर्क किया। अधिकांश शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उन्हें जनसुनवाई के संबंध में पहले से कोई सूचना नहीं मिली थी। फोन पर संपर्क के बाद एक महिला सुनवाई में पहुंची जिसने भी बताया कि उसे कार्यक्रम की जानकारी पहले नहीं दी गई थी। इस स्थिति पर उपाध्यक्ष रावत ने खेद जताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य यह होता है कि महिलाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर संबंधित विभागों की मौजूदगी में किया जा सके। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाएं जब थाने में शिकायत लेकर जाती हैं तो पुलिस का दायित्व है कि उनकी बात को गंभीरता से सुना जाए।बैठक में महिला आयोग की सदस्य सरोज बहुगुणा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. आलोकराम त्रिपाठी, राजपाल मियां, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ऋषि कुमार, सदस्य निवेदिता पंवार मौजूद रहे।

बांध प्रभावित ग्रामीणों से जुटाएंगे जन समर्थन

नई टिहरी (संवाददाता)। बौराड़ी में बांध विस्थापित और प्रभावितों का निशुल्क बिजली, पानी दिए जाने की मांग को लेकर 12वें दिन भी धरना जारी रहा। सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी ने कहा कि आंदोलन को तेज करने के लिए बांध प्रभावित विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों का जनसमर्थन जुटाया जाएगा। बौराड़ी के गणेश चौक में टिहरी बांध से मिलने वाले 12 प्रतिशत रॉयल्टी से बांध विस्थापित और प्रभावितों को निशुल्क बिजली पानी दिए जाने की मांग को लेकर संचालित पर बैठे लोगों ने निर्णय लिया की आगामी दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में चौपालों के माध्यम आंदोलन के लिए जनसमर्थन जुटाया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता भंडारी ने कहा कि टिहरी बांध से प्रभावित सभी विधानसभा के गांवों में जन जागरूकता अभियान चलाकर बिजली-पानी फ्री दिए जाने को लेकर समर्थन जुटाने का काम किया जाएगा। बताया गत मंगलवार को घनसाली और चमियाला के लोगों ने धरना स्थल पर पहुंचकर उनकी मांगों का समर्थन किया। कहा कि टिहरी बांध के कारण टिहरी, प्रतापनगर, घनसाली विधानसभा सबसे अधिक प्रभावित हुई हैं, इसके अलावा देवप्रयाग, नरेंद्रनगर और धनोल्टी विधानसभाओं के लोगों पर कहीं न कहीं इसका असर पड़ा है। बांध के कारण उत्तरकाशी जिले के भी कई गांव प्रभावित हुए हैं। टिहरी के लोगों ने बांध के कारण कई परेशानियां झेल रहे हैं इसलिए, बांध से मिलने वाली रॉयल्टी बांध विस्थापितों और प्रभावितों के हक में खर्च की जानी चाहिए। इस मौके पर अजय पंवार, विकास पंवार, सरोजनी देवी, हंसदी देवी, दीपा देवी, शशि बहुगुणा, मोनिका चौहान, सोनी सजवाण, ऊषा रावत, सुंदरा राणा, जुम्मा रावत, सुधा रावत, रुकमा परमार, सीता उनियाल, साहब सिंह सजवाण, उम्मेद रावत आदि मौजूद थे।

केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ की नारेबाजी

चमोली ((संवाददाता)। महिला दिवस के अवसर पर देहरादून के गांधी पार्क से शुरू हुई सीपीआई (एम) की जन संघर्ष जत्था रैली बुधवार को थराली पहुंची। जहां कामगार संगठनों, भूमिहीन, आंगनबाड़ी, आशा, भोजनमाता, ग्राम प्रहरी सहित कई संगठनों के कार्यकर्ताओं ने रैली का स्वागत किया और केंद्र सरकार और राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में नारेबाजी की। तहसील परिसर के पास स्थित मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए पोलित ब्यूरो के सदस्य कामरेड बीजू कृष्णनन ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार पूरे देश का निजीकरण कर पूंजीपतियों को बेच रही है। मानदेय के नाम पर महिलाओं का शोषण कर रही है। बेरोजगारी से बढ़ता पलायन, महिला हिंसा, बिगड़ती कानून व्यवस्था से राज्य के लोग त्रस्त हैं। इन्हीं समस्याओं को लेकर 24 मार्च शहादत दिवस पर रामलीला मैदान में विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा जिसमें जनविरोधी, सांप्रदायिक व कॉरपोरेट नीतियों के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज करेंगे। इसके बाद हुई पत्रकार वार्ता में सीपीआई (एम) के राष्ट्रीय पोलित ब्यूरो बीजू कृष्णनन ने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगार चरम पर है। श्रम कानूनों में बदलावों के कारण श्रमिकों के हितों को कुचला जा रहा है। इस दौरान किसान सभा के महामंत्री पुष्पेंद्र त्यागी, सीपीआईएम के केंद्रीय सदस्य राजेंद्र नेगी, सचिव राजेंद्र पुरोहित, सीटू के महामंत्री लेखराज, सुरेंद्र सजवाण, पुरुषोत्तम बडोनी, नितिन मलेठा, महेंद्र सामवेदी, मदन मिश्रा, सतीश धौलाखंडी और अयाज अहमद आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए प्रदान की 75.36 करोड की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एस.सी.एस.पी. के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र पौड़ी के विकासखण्ड पाबौ मे बेडा का जगड मोटर मार्ग के किमी0 1.00 से 5.00 तक सुदृढीकरण एवं डामरीकरण कार्य हेतु ₹ 3.58 करोड़, जनपद हरिद्वार के राजकीय उपजिला चिकित्सालय रुड़की में विद्युत रिवाईरिंग कार्य हेतु 3.93 करोड के साथ ही राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विधानसभ क्षेत्र मसूरी के अन्तर्गत न्यू कैंट मोटर मार्ग किमी० 1 चौ0 0.375 से चौ० 1.625 (सालावाला पुल से विजय कॉलोनी पुल) तक मार्ग को दो लेन से 10.50 मी० चौडाई में परिवर्तित (अपग्रेड) किये जाने (द्वितीय चरण) हेतु कुल धनराशि 16.87 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के अन्तर्गत बूम से टनकपुर के शारदा नदी के दांये पार्श्व पर (तटबन्ध) बाढ़ सुरक्षा कार्य एवं शारदा नदी के दांये पार्श्व पर पर बूम व उचौलीगोठ में बाढ़ सुरक्षा कार्य हेतु 15. 69 करोड की योजना स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।मुख्यमंत्री द्वारा नगर निगम, ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत एकत्रित लीगेसी वेस्ट निस्तारण हेतु 6.79 करोड़ तथा नगर निगम, पिथौरागढ़ में देवभूमि रजत जयन्ती पार्क के निर्माण हेतु 9.81 करोड की योजना स्वीकृत किये जाने के साथ ही टनकपुर में मीडिया सेंटर एवं गेस्ट हाउस तथा टनकपुर में कम्यूनिटी हॉल निर्माण किये जाने हेतु 14.24 करोड स्वीकृत करते हुए प्रथम किश्त के रूप में 1.00 करोड़ अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।मुख्यमंत्री ने किया श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की बेहतर सुरक्षा हेतु एआई बेस्ड सिस्टम अधिष्ठापित किये जाने का अनुमोदनमुख्यमंत्री द्वारा राज्य में स्थित चारधाम एवं मुख्य पर्यटन स्थलों पर लगातार श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी के दृष्टिगत उनकी बेहतर सुरक्षा व्यवस्था हेतु संदिग्ध तत्वों एवं गतिविधियों पर निगरानी के लिए एआई बेस्ड फेसियल रिकुनाईजेशन सिस्टम एवं डाटा एनेलेटिक्स साफ्टवेयर सिस्टम विभिन्न 05 जनपदों में अधिष्ठापित किये जाने हेतु 4.45 करोड स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

प्रदेश के हर ब्लाक में बनेंगे मिनी स्टेडियम

-खेलभूमि उत्तराखंड में जमीनी स्तर पर सुविधाओं के विस्तार के लिए ठोस कदम

देहरादून (संवाददाता)। 38 वें राष्ट्रीय खेलों के भव्य आयोजन के बाद प्रदेश की धामी सरकार जमीनी स्तर पर खेल सुविधाओं के और विस्तार में जुट गई है। इस क्रम में प्रदेश के हर ब्लाक में अब मिनी स्टेडियमों का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को बजट सत्र के तीसरे दिन सदन को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हर ब्लाक में मिनी स्टेडियम के निर्माण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में प्रावधान किया गया है। वर्ष 2025 में उत्तराखंड ने न सिर्फ 38 वें राष्ट्रीय खेलों की सफल मेजबानी की थी, बल्कि 103 पदक जीतकर इस स्तर के आयोजन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किया था। इस आयोजन ने उत्तराखंड को खेलभूमि के रूप में भी पहचान दी। इस आयोजन के लिए अंतराष्ट्रीय स्तर का आधारभूत खेल ढांचा विकसित किया गया।

खाड़ी युद्ध के बीच तीन माह का राशन एडवांस में फ्री मिलेगा

हरिद्वार (संवाददाता)। जिले के 2,55,148 राशन कार्डधारकों को तीन माह का राशन एडवांस में फ्री बांटा जाएगा। लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने तीन माह का राशन एक बार में वितरण करने के निर्देश जारी किए है। जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल ने बताया कि केंद्र सरकार ने शासनादेश जारी कर तीन महीने के राशन का एकमुश्त उठान करने को कहा है ताकि खाड़ी युद्ध से बन रहे वैश्विक संकट के बीच लोगों को राहत मिल सके। जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग जिले के 11,33,173 राशन उपभोक्ताओं को अप्रैल, मई और जून माह का राशन इकट्ठा उपलब्ध कराएगा। एक दफा राशन का उठान होने के बाद डीलर तीन माह का राशन गेहूं, चावल अप्रैल माह में ही उपभोक्ताओं को बांट देंगे। जिले की करीब 604 राशन की दुकानों पर राशन का वितरण होगा। सभी गुलाबी और सफेद राशन कार्ड धारकों को तीन माह का राशन गेहूं और चावल फ्री मिलेगा। जिले में सफेद राशन कार्ड की संख्या 2,18,144 है। सफेद राशन कार्डो में 992514 यूनिट दर्ज है। गुलाबी राशन कार्ड की संख्या 37004 है। गुलाबी राशन कार्ड में 140659 यूनिट दर्ज है। वहीं, पीले राशन कार्डधारकों को तीन माह का चावल 11 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बांटा जाएगा। पीले राशन कार्ड पर प्रति महीने कार्ड धारक को 7.5 किलो ग्राम चावल मिलता है। इन कार्डधारकों को गेहूं का वितरण नहीं किया जाता है। जिले में 170878 पीले राशन कार्ड बने हुए हैं। जिले के इन सभी कार्ड धारकों को तीन महीने का राशन एडवांस में बांटा जाएगा।एक माह में इतना राशन फ्रीहरिद्वार(आरएनएस)। राशन कार्ड धारकों को अंत्योदय योजना (गुलाबी कार्ड) पर एक महीने का 13. 300 किलो ग्राम गेहूं और 21.700 किलो ग्राम चावल फ्री मिलता है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (सफेद कार्ड) पर 1.900 किलो ग्राम गेहूं 3.100 किलो ग्राम चावल प्रति यूनिट के हिसाब से कार्ड धारक को फ्री बांटा जाता है।वर्जन:केंद्र सरकार ने राशन वितरण के लिए जीओ जारी किया है। इसमें तीन माह का राशन एक मुश्त उठाने के निर्देश दिए गए है। अप्रैल माह में तीन माह का राशन उपभोक्ताओं को एक दफा में बांटा जाएगा। लोगों को राहत देने के उद्देश्य से सरकार ने निर्देश दिए है।मुकेश पाल, डीएसओ

संक्षिप्त समाचार...

लोक कलाकार दीवान कनवाल के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रसिद्ध लोक कलाकार दीवान कनवाल के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीवान कनवाल ने उत्तराखण्ड की समृद्ध लोक संस्कृति और लोक संगीत को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि दीवान कनवाल का निधन उत्तराखण्ड की लोक कला और सांस्कृतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों एवं उनके प्रशंसकों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

अर्बन बैंक घोटालाः दूसरे दिन भी जारी रहा जमाकर्ताओं का धरना

देहरादून (संवाददाता)। अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक घोटाले के खिलाफ जमाकर्ताओं का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। अपनी जीवन भर की जमा पूंजी डूबने की आशंका से नाराज ग्राहकों ने मंगलवार को दूसरे दिन भी आईटी पार्क स्थित भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के क्षेत्रीय कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी गाढ़ी कमाई वापस नहीं मिलती, वे पीछे नहीं हटेंगे। धरने पर बैठे अचिन गुप्ता ने बताया कि बैंक में कई जमाकर्ताओं की एक से तीन करोड़ रुपये तक की मोटी रकम फंसी हुई है, जिससे लोग भारी मानसिक तनाव में हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बैंक प्रबंधन की लापरवाही और वित्तीय अनियमितताओं के चलते हजारों परिवारों का भविष्य दांव पर लग गया है। उन्होंने मांग की कि आरबीआई जल्द से जल्द जांच पूरी कर भुगतान की प्रक्रिया शुरू करे।

तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से रिक्शा चालक की मौत

हल्द्वानी (संवाददाता)। हल्द्वानी में मंगलवार रात एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने आगे चल रहे रिक्शा चालक को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में रिक्शा चालक की मौत हो गई। वहीं घायल बाइक सवार का डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) में उपचार जारी है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया है। एसएचओ विजय सिंह मेहता ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10:25 बजे बेस अस्पताल के पास बाइक सवार ने ओके होटल की ओर जा रहे रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रिक्शा और बाइक सवार घसीटते हुए सड़क पर गिर गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रिक्शा चालक 25 वर्षीय नरेश सिंह पुत्र हरीश सिंह निवासी लालडांठ व बाइक चालक 25 वर्षीय सूरज बिष्ट निवासी गजर, मुक्तेश्वर को बेस अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर रिक्शा चालक नरेश को तत्काल एसटीएच ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बुधवार को बाइक चालक सूरज को भी एसटीएच में भर्ती कराया गया है।

हल्द्वानी में भी रैली की तैयारी, राजनाथ सिंह के आने की उम्मीद

हल्द्वानी (संवाददाता)। प्रदेश में धामी सरकार के चार साल का कार्यकाल पूरा होने पर हरिद्वार की तरह कुमाऊं के हल्द्वानी में विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पहुंचने की उम्मीद है। रैली की तैयारी को लेकर भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार ने बुधवार को कुमाऊं संभाग कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। अजेय कुमार ने बताया कि रैली 21 या 22 अप्रैल को हल्द्वानी में की जाएगी। इसकी तैयारी को लेकर उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। अजेय कुमार ने कहा कि रैली के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बैठक में कार्यकर्ताओं को प्रस्तावित एसआईआर को सफल बनाने के लिए सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया। कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का प्रयास होना चाहिए कि हर व्यक्ति का नई वोटर लिस्ट में नाम शामिल हो। इसके लिए 2003 की वोटर लिस्ट से मैपिंग किए जाने में लोगों को सहयोग करें। बैठक में आगामी संगठनात्मक अभियानों को लेकर भी चर्चा की गई। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन कार्यक्रमों को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा बलबीर धुनियाल, प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा महेंद्र सिंह नेगी, पिथौरागढ़ जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी, जिला महामंत्री रंजन सिंह बर्गली, विनीत अग्रवाल, नितिन राणा समेत कई दर्जाधारी व पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

अवैध परिवहन संचालन के खिलाफ रोडवेज कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया

हल्द्वानी (संवाददाता)। /बढ़ती डग्गामारी और अवैध परिवहन संचालन के खिलाफ रोडवेज कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त मोर्चा, कुमाऊं क्षेत्र के तत्वावधान में मंगलवार को विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और संभागीय परिवहन अधिकारी (त्व्ठ) तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी (CO) के माध्यम से प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अवैध परिवहन गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।इस दौरान संयुक्त परिषद, रोडवेज कर्मचारी यूनियन, एम्पलाइज यूनियन, भारतीय मजदूर संघ और एससी-एसटी श्रमिक संगठन से जुड़े कर्मचारियों ने एकजुट होकर कहा कि हल्द्वानी बस अड्डे और आसपास के क्षेत्रों में अवैध बसों, टैक्सियों और प्राइवेट वाहनों का अनियंत्रित संचालन रोडवेज को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा है और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

ज्ञापन में उठाए गए प्रमुख मुद्दे

कर्मचारी संगठनों ने प्रशासन को सौंपे ज्ञापन में कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं, जिनमें प्रमुख रूप ससे अवैध अंतरराज्यीय बसों पर रोक

नगर में ऑनलाइन संचालित हो रही कई अवैध अंतरराज्यीय बसें सड़क किनारे यात्रियों को बैठाकर संचालित हो रही हैं। कर्मचारियों ने ऐसी बसों के संचालन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

संगठनों ने कहा कि टैक्सियों का संचालन केवल भोटिया पड़ाव टैक्सी स्टैंड से ही सुनिश्चित किया जाए और बस अड्डे के आसपास टैक्सियों के अवैध जमावड़े पर रोक लगाई जाए।

प्राइवेट वाहनों के अवैध संचालन पर कार्रवाई

बस अड्डे के सामने सड़क पर खड़े होकर यात्रियों को बैठाने वाले प्राइवेट वाहनों के संचालन को पूरी तरह बंद करने की मांग भी कर्मचारियों ने उठाई, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रह सके।

प्रशासन ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

मामले की गंभीरता को देखते हुए संभागीय परिवहन अधिकारी और एसपी सिटी ने संगठन के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि अवैध डग्गामारी और अनियमित परिवहन गतिविधियों के खिलाफ जल्द ही ठोस और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

26 मार्च तक का अल्टीमेटम

रोडवेज कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 26 मार्च 2026 तक उनकी मांगों पर धरातल पर कार्रवाई नहीं हुई, तो कुमाऊं क्षेत्र के सभी कर्मचारी संगठन संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय के समक्ष उग्र धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।इस दौरान आन सिंह जीना, मुकेश वर्मा, कौशल जोशी, राजीव भट्ट, मोहन बोरा, रमेश कपिल, जीवन आर्य, महेश दफौटी, कमल पपने, शंकर सिंह, जगदीश कांडपाल, आनंद बिष्ट, नवनीत कपिल, पूरन राम, जगमोहन, ललित पांडे, मनिंदर सिंह, जीवन चंद, तारा जोशी, प्रमोद बरगली, मोहसिन, मनोज मनराल, कार्तिक, नवीन बिष्ट, योगेश जोशी, बलराम सागर, रौतेला, प्रकाश संभल, सुमित कुमार, हेमंत गढ़िया, संजय, संतोष, नवीन इटनी, रचना बिष्ट, हेम, गुणवंत, मोहित कुमार, आनंद बल्लभ, राहुल रावत सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक की टक्कर से रिक्शा चालक की मौत

हल्द्वानी (संवाददाता)। बीती रात्री करीब साढ़े दस बजे नैनीताल मार्ग पर बेस अस्पताल के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक की टक्कर से रिक्शा चालक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

पुलिस के मुताबिक एक पल्सर बाइक (नंबर: यूके 04 एएन 5778) के चालक द्वारा वाहन को अत्यधिक तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए रिक्शा को टक्कर मार दी गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रिक्शा चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गया। इस दुर्घटना में बाइक सवार भी घायल हुआ है।

पुलिस टीम द्वारा मानवता का परिचय देते हुए बिना समय गँवाए दोनों घायलों को उपचार हेतु तत्काल बेस अस्पताल भिजवाया गया। रिक्शा चालक नरेश सिंह (उम्र 25 वर्ष), पुत्र हरीश सिंह, निवासी तारा टेंट हाउस, लाल डांठ, हल्द्वानी। बेस अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हालत बिगड़ने पर इन्हें सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर किया गया था, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाइक सवार सूरज बिष्ट (उम्र 25 वर्ष), पुत्र कुंदन सिंह बिष्ट, निवासी गजर, थाना मुक्तेश्वर।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीवान कनवाल के निधन पर दुःख व्यक्त किया

अल्मोड़ा (संवाददाता) उत्तराखंड के मशहूर लोक गायक दीवान कनवाल बुधवार की सुबह अपने खत्याड़ी स्थित आवास पर अंतिम सांस ले गए। उनका अंतिम संस्कार बेतालेश्वर घाट पर किया जाएगा। अल्मोड़ा जिले के रहने वाले दीवान कनवाल के निधन की खबर से लोक कलाकारों और

संगीत प्रेमियों में गहरा शोक छा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीवान कनवाल के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति और संगीत को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार और उनके प्रशंसकों को दुःख सहने की शक्ति देने की कामना की।राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भी अपने शोक संदेश में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। अल्मोड़ा के पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान ने भी लोक गायक को श्रद्धांजलि दी।

दीवान कनवाल की लोकप्रिय रचनाओं में 'द्वी दिना का ड्यार शेरुवा यौ दुनी में' और शेर दा अनपढ़ पर आधारित गीत शामिल हैं, जिन्हें आज भी कुमाऊंनी संस्कृति के प्रेमी बड़े चाव से सुनते हैं।लगभग 65 वर्ष की आयु में निधन के समय, दीवान कनवाल पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। हल्द्वानी के एक निजी अस्पताल में इलाज के बाद वे अपने आवास पर स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे।दीवान कनवाल के दो बेटे और दो बेटियां हैं। उनके बड़े बेटे अल्मोड़ा में और छोटे बेटे मुंबई में कार्यरत हैं। उनकी पत्नी का निधन पहले ही हो चुका था। रिटायरमेंट के बाद दीवान कनवाल ने पूरी तरह लोक संगीत और गीत रचनाओं को समर्पित कर दिया था। लोक समुदाय और उनके श्रोताओं ने उनके योगदान को कुमाऊंनी संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

उत्तराखंड की बेटी ने देश सेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया

हल्द्वानी (संवाददाता)। /पिथौरागढ़। देवभूमि उत्तराखंड की एक और बेटी ने देश सेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है। मूल रूप से पिथौरागढ़ जनपद के ग्राम सिरतोली की निवासी हेमा भाट को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर पदोन्नत किया गया है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे उत्तराखंड के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बन गई है।हेमा भाट, रिटायर्ड सूबेदार मेजर उमेद सिंह भाट की पुत्री हैं। उनका परिवार वर्तमान में हल्द्वानी के डिफेंस कॉलोनी, भगवानपुर रोड, हिम्मतपुर तल्ला में निवास करता है। सैन्य परंपरा और अनुशासन

के माहौल में पली-बढ़ीं हेमा भाट ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण से सेना में एक विशिष्ट पहचान बनाई है।उन्होंने 1 मार्च 2010 को मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (डछै), आर्मी मेडिकल कोर (।डब्) में कमीशन प्राप्त किया था। बीते करीब 15 वर्षों की सेवा के दौरान उन्होंने एक नर्सिंग अधिकारी के रूप में उत्कृष्ट कर्तव्यनिष्ठा, सेवा भावना और पेशेवर दक्षता का परिचय दिया है।देश के प्रति उनकी उल्लेखनीय सेवाओं को देखते हुए उन्हें 26 जनवरी 2023 को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (ब्कै) प्रशस्ति पत्र से भी सम्मानित किया गया। उनकी इसी मेहनत और समर्पण का परिणाम है कि 1 मार्च 2026 को उन्हें लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर पदोन्नत किया गया। वर्तमान में वे एक एयर फोर्स स्टेशन के मेडिकल यूनिट में अपनी सेवाएं दे रही हैं।हेमा भाट के पति कर्नल भीष्म चौहान भी भारतीय सेना में कार्यरत हैं। दोनों पति-पत्नी वर्तमान में पंजाब में तैनात होकर देश की सेवा कर रहे हैं।लेफ्टिनेंट कर्नल हेमा भाट की यह सफलता प्रदेश की युवतियों और महिलाओं के लिए एक सशक्त संदेश है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे पाने के लिए मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा जाए, तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।देवभूमि की इस बेटी ने यह साबित कर दिया है कि महिलाएं भी सेना जैसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदार क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन कर सकती हैं।कैप्टन सोबन सिंह भड़ (सेवानिवृत्त), सामाजिक कार्यकर्ता ने भी इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और यह पूरे समाज के लिए गर्व की बात है।

भावना अजवानी ने मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा को कहा अलविदा

स्टार प्लस का मोस्ट पॉपुलर शो अनुपमा अपने ड्रामाटिक ट्विस्ट और इमोशनल स्टोरीलाइन से दर्शकों को बांधे हुए है। शो के मेकर्स ने हाल ही में एक नया प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें आने वाले एपिसोड में एक बड़े डेवलपमेंट के बारे में बताया गया है। प्रोमो में दिखाया गया है कि शो जल्द ही एक साल का लीप लेगा, जिससे कहानी में एक नया फेज आएगा। प्रथाना की अचानक मौत के बाद, अनुपमा गोवा में एक नया सफर शुरू करेगी। यह लीप कहानी में एक टर्निंग पॉइंट लाएगा क्योंकि सेंट्रल कैरेक्टर एक मुश्किल दौर का सामना करने के बाद जिंदगी में आगे बढ़ता है। नई सेटिंग और ट्रैक से कहानी में नए डेवलपमेंट आने की उम्मीद है। आने वाले लीप से शो की कास्ट में भी बदलाव आएगा। कहानी आगे बढ़ने पर एक कैरेक्टर की जगह कोई और ले लेगा। प्रेरणा, जिसे पहले भावना अजवानी ने निभाया था। वह शो से बाहर हो जाएगी।प्रेरणा का कैरेक्टर दिसंबर 2025 में अनुपमा में आया और जल्द ही स्टोरीलाइन का एक अहम हिस्सा बन गया। उनके रोल को एक नए कैरेक्टर के तौर पर इंट्रोड्यूस किया गया, जिसने प्रेम और राही के बीच टेंशन पैदा की। शो में प्रेरणा को विलेन के किरदार में दिखाया गया था। उसकी मौजूदगी ने प्रेम और राही के रिश्ते में मुश्किलें बढ़ा दी थीं, जिसे कहानी में नया मोड़ देखे को मिला था। मार्च 2026 की स्टोरीलाइन में दिखाया गया कि प्रेरणा प्रेम से प्यार करने लगती है, जिसे प्रेम और राही की शादीशुदा जिंदगी में हलचल मच जाती है।आने वाले एक साल के लीप और कास्ट में बदलाव के साथ मेकर्स अनुपमा की कहानी को एक नई दिशा में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। गोवा में शिफ्ट होने और नए डेवलपमेंट की शुरुआत से आगे के एपिसोड में नए ट्विस्ट आने की उम्मीद है। बता दें कि प्रेरणा का किरदार पहले भावना अजवानी ने निभाया था।

टीवी के बाद अब ओटीटी पर जादू बिखेरेंगी रूप

दुर्गापाल, प्रकाश झा की सीरीज संकल्प से करेंगी डेब्यू

स्वरागिनी, कुछ रंग प्यार के ऐसे भी, और बालवीर जैसे कई धारावाहिकों में काम कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज संकल्प में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी।अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था।उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली अभिनेत्री रूप ने सिल्वर स्क्रीन पर परफॉर्म करने के अलावा, थिएटर में भी काम किया, जो उनके लिए नया था। उन्होंने थिएटर को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया, बिना कट, रीटेक के, महीनों रिहर्सल करके स्टेज पर परफॉर्म करना काफी अजीब था, लेकिन जिंदगी की अनिश्चितता ने मुझे हिम्मत दी। स्टेज पर खड़े होकर बिना किसी डर के परफॉर्म करना शानदार अनुभव था। इसी हिम्मत ने मुझे टीवी से आगे बढ़कर वेब सीरीज में आने की ताकत दी। अभिनेत्री का मानना है कि हर किसी का सफर अलग होता है और सब कुछ अपने सही समय पर ही होता है।उन्होंने कहा, शायद मेरा सफर ऐसा ही होना था। सालों की संख्या मायने नहीं रखती। मैं बहुत खुश हूं कि यह सब अपने आप हुआ। सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। रूप ने निर्देशक की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, प्रकाश सर के साथ काम करना किसी बड़े संस्थान में पढ़ाई करने जैसा था। साथ ही काम में मजा भी आता था और यादगार पल भी बनते थे।

गोपीचंद की 33वीं फिल्म में हुई अभिनेत्री ऋतु वर्मा की एंट्री, नया पोस्टर भी जारी, निभाएंगी सत्यवती का किरदार

तेलुगु फिल्मों में अपनी एक्शन भूमिकाओं से सभी का दिल जीत चुके अभिनेता गोपिचंद जल्द ही अपनी 33वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें मुख्य अभिनेत्री के बारे में जानकारी दी गई है।अभिनेत्री ऋतु वर्मा आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। यही वजह है कि आज निर्माताओं ने उनकी आगामी फिल्म से उनका फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी करके प्रशंसकों को सरप्राइज कर दिया है। अब आधिकारिक तौर पर पुष्टि हो गई है कि ऋतु वर्मा अभिनेता गोपीचंद की 33वीं फिल्म का हिस्सा हैं।निर्माताओं ने आज फिल्म का एक खास पोस्टर जारी किया है। जिसमें ऋतु वर्मा धनुष से किसी पर निशाना साधते नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा,अचूक निशाना। दमदार उपस्थिति। इसके साथ ही निर्माताओं ने ऋतु को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। साथ ही निर्माताओं ने यह ी जानकारी दी कि इस फिल्म में ऋतु सत्यावती का किरदार निभाएंगी।सत्यवती नाम की एक आदिवासी लड़की की भूमिका में ऋतु को लुक काफी दमदार दिखाई दे रहा है। इस पोस्टर से पता चल रहा है कि इस फिल्म में उनका किरदार दमदार और प्रभावशाली होगा। गोपीचंद 33 एक बड़ी बजट की तेलुगु ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन संकल्प रेड्डी कर रहे हैं। यह फिल्म 7वीं शताब्दी की एक कम ज्ञात ऐतिहासिक घटना पर आधारित है, जिसमें गोपीचंद एक योद्धा की भूमिका में नजर आएंगे। श्रीनिवासा सिल्वर स्क्रीन बैनर के तहत बन रही इस फिल्म का पहला शेड्यूल कश्मीर में पूरा हो चुका है।

रणवीर सिंह की धुरंधर 2 का नया दमदार पोस्टर जारी, ईश्वर के प्रकोप का दिया संकेत, फैंस हुए उत्साहित

निर्देशक आदित्य धर ने फिल्म धुरंधर: द रिवेंज (धुरंधर 2) का नया पोस्टर जारी करके फैंस को उत्साहित कर दिया है। यह पोस्टर 19 मार्च 2026 से पहले जारी किया गया है, जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फैंस पोस्टर में रणवीर सिंह के दोनों लुक को लेकर काफी उत्सुक हैं।

धुरंधर 2 के नए पोस्टर में रणवीर सिंह दो अलग-अलग किरदारों में दिख रहे हैं- जसकिरत सिंह रंगी और हमजा अली मजारी। उन्होंने पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, ईश्वर का प्रकोप आ रहा है। फिल्म के पोस्टर को देखने के बाद फैंस काफी उत्साहित हैं।फैंस धुरंधर 2 में रणवीर सिंह के लुक को देखकर बहुत खुश हैं। सोशल मीडिया पर लोग तारीफ कर रहे हैं और फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ ही फैंस पोस्टर और फिल्म को लेकर अपनी राय पेश कर रहे हैं।धुरंधर: द रिवेंज 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। यह हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में दुनिया भर के सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। ट्रेलर 7 मार्च को रिलीज हुआ था। ट्रेलर में दिखाया गया है कि यह फिल्म पहले भाग से ज्यादा बड़ा, रहस्यमयी और एक्शन से भरी होगी। कहानी में रणवीर सिंह एक गुप्त भारतीय जासूस की भूमिका में हैं, जो पाकिस्तान के खतरनाक अपराधियों और राजनीतिक गिरोहों में घुसकर भारत पर हमले रोकते हैं। यह कहानी असली घटनाओं से प्रेरित है। दूसरे भाग में कहानी आगे बढ़ती है, जिसमें ज्यादा ड्रामा और धमाकेदार एक्शन है। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, सारा अर्जुन, राकेश बेदी, गौरव गेरा और दानिश पंडोर जैसे कलाकार हैं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

कुंभ मेला 2027 की तैयारियां तेज: गंगा की स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष फोकस

- मेला प्रशासन की पहल पर एनएमसीजी के विशेषज्ञों की टीम ने बुधवार को कुंभ क्षेत्र का किया भ्रमण

- अपशिष्ट प्रबंधन तथा बेहतर सैनिटेशन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उपायों पर मेला प्रशासन के साथ विस्तार से विचार-मंथन

हरिद्वार (संवाददाता)। आगामी वर्ष हरिद्वार में आयोजित होने जा रहे कुंभ मेले में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए मेला प्रशासन द्वारा गंगा की निर्मलता और मेला क्षेत्र की स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में मेलाधिकारी सोनिका की पहल पर राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के विशेषज्ञों की टीम ने बुधवार को कुंभ क्षेत्र का भ्रमण किया। टीम ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन तथा बेहतर सैनिटेशन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उपायों पर मेला प्रशासन के साथ विस्तार से विचार-मंथन किया। विशेषज्ञों की टीम ने इस संबंध में नई तकनीकों, विभिन्न अध्ययनों तथा प्रयागराज कुंभ के अनुभवों को भी मेला प्रशासन के साथ साझा किया। एनएमसीजी की टीम ने मेला प्रशासन, नगर निगम एवं पेयजल निगम के अधिकारियों के साथ हरकी पैड़ी, बैरागी कैंप, दक्ष द्वीप, कनखल, नीलधारा, गौरीशंकर आदि क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान आगामी कुंभ मेले के दौरान इन क्षेत्रों में स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा प्रस्तावित कार्यों की पड़ताल की गई। कुंभ क्षेत्र के भ्रमण के बाद एनएमसीजी की टीम ने मेलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में मेला प्रशासन तथा सैनिटेशन एवं सीवरेज प्रबंधन से जुड़े विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर मेलाधिकारी ने कहा कि गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित

किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान कूड़ा एवं सीवरेज प्रबंधन की पर्याप्त और प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करना मेला प्रशासन के सामने एक प्रमुख चुनौती है।उन्होंने यह भी कहा कि कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए पर्याप्त और साफ-सुथरे शौचालयों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कुंभ मेले में स्वच्छता, सुगमता और सुरक्षा मेला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं, जिसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

मेलाधिकारी ने एनएमसीजी की टीम से कुंभ मेले के दौरान सैनिटेशन एवं सीवरेज प्रबंधन की चुनौतियों से निपटने के प्रभावी उपाय सुझाने की अपेक्षा करते हुए कहा कि इसके लिए उपलब्ध आंकड़ों, वर्तमान सुविधाओं तथा मुख्य स्नान पर्वों के दौरान संभावित श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं का सटीक आकलन किया जाना आवश्यक है। इसके आधार पर सभी आवश्यक उपायों को लागू करने के लिए साझा रणनीति तैयार की जाएगी।

बैठक में कुंभ मेला क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने के लिए ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की समग्र कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मेला प्रशासन द्वारा प्रस्तावित व्यवस्थाओं के अंतर्गत कचरा संग्रहण, पृथक्करण, निस्तारण, अस्थायी शौचालयों की स्थापना, सीवरेज प्रबंधन, सेप्टेज प्रबंधन तथा घाटों और मेला क्षेत्र की नियमित सफाई से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण दिया गया।अधिकारियों ने इस दौरान इस बात पर विशेष बल दिया कि कुंभ मेले के दौरान गंगा की अविरलता और निर्मलता बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक और टिकाऊ व्यवस्थाएं विकसित की जाएं। इसके लिए मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान, कचरा संग्रहण केंद्र, अपशिष्ट परिवहन व्यवस्था तथा अस्थायी शिविर स्थलों में अपशिष्ट निस्तारण के लिए उपयुक्त व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसी क्रम में 06 एफएसटीपी (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) की स्थापना भी प्रस्तावित की गई है।इस दौरान एनएमसीजी के विशेषज्ञों की टीम में टेरी के स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के प्रो. शलीन सिंघल, होकाईडो यूनिवर्सिटी (जापान) के प्रो. राम अवतार, आईआईटी बीएचयू के रिसर्च एसोसिएट डॉ. तरुण यादव, स्टेट मिशन फॉर क्लीन गंगा उत्तराखंड के आरबीएम डॉ. सिद्धार्थ श्रीवास्तव, नगर निगम हरिद्वार के आयुक्त नंदन सिंह, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह गिल तथा पेयजल निगम की परियोजना प्रबंधक (गंगा) मीनाक्षी मित्तल वशिष्ठ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार...

25 टीबी रोगियों को पोषाहार वितरित किया

देहरादून (संवाददाता)। आस संस्था के तत्वाधान में उप जिलाचिकित्सालय लंढौर में आयोजित एक कार्यक्रम में 25 टीबी रोगियों को मासिक पोषाहार वितरित किया गया। इस मौके पर टीबी रोगियों की समस्याओं को भी सुनकर समाधान किया गया।पोषाहार वितरण के दौरान डा. अमृता पांडे ने टीबी रोगियों को बताया कि कभी भी आएं तो फिजिशियन से मिलें और अपनी समस्या बता सकते हैं। उन्होंने कहा कि रोगियों को दवा समय से लेनी चाहिए व अपने स्वासथ्य का ध्यान रखना चाहिए । अच्छा पोषहार लेना चाहिए। इस मौके पर आस संस्था की सचिव हेमलता ने रोगियों को दवाई आरंभ होने के उपरांत और दवाई समाप्त होने के बाद समय समय पर जांच कराने व प्रोटीन युक्त भोजन नियमित लेने की बात कही। कहा कि साफ सफाई का ध्यान रखें। ताकि रोगी शीघ्र स्वस्थ्य हो सके। कार्यक्रम में टीबी चौंपियन वॉलिंटियर ने रोगियों का वजन लिया व जरूरी परामर्श दिया। कार्यक्रम में 25 टीबी रोगियों को पोषाहार वितरित किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल से डा. अमृता पांडे, देहरादून से एसटीएस बृहस्पति कोठियाल, एसटीएलएस परवीन सती, हेमलता बहन, हिमांशु, रेशमा सहित टीबी रोगी और उनके परिजन मौजूद रहे।

रसोई गैस की कालाबाजारी रोकने की मांग

देहरादून (संवाददाता)। जिला कांग्रेस प्रवक्ता गीता बिष्ट ने जिला पूर्ति अधिकारी को ज्ञापन भेजकर आरोप लगाया है कि मुख्य मार्गों पर खाने-पीने के ठेले वाले अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग कर रहे हैं। घरेलू सिलेंडरों की इस कालाबाजारी में गैस एजेंसी कर्मचारियों की मिलीभगत की आशंका है, जिससे आम उपभोक्ताओं को किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। गीता बिष्ट ने मांग की है कि ऐसे अवैध उपयोग पर तत्काल कार्रवाई की जाए और पारदर्शिता के लिए प्रतिदिन समाचार पत्रों के माध्यम से गैस उपलब्धता की जानकारी सार्वजनिक की जाए

उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स का धरना तीसरे दिन भी जारी

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ की 27 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। लोक निर्माण विभाग विभागाध्यक्ष कार्यालय परिसर में आयोजित इस आंदोलन के तीसरे दिन टिहरी जनपद के समस्त डिप्लोमा इंजीनियरों ने शासन के खिलाफ गहरा रोष व्यक्त किया।धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र रावत और संचालन सचिव राजेंद्र सोढ़ी ने किया।

देवभूमि की धरोहर 'देवतत्व' को संवारने के लिए प्रयासरत धामी सरकार

- देवभूमि की धार्मिक, सांस्कृतिक धरोहरों के सरंक्षण एवं संवर्धन पर जोर

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देवभूमि उत्तराखंड के 'देवतत्व' को संवारने के लिए प्रयासरत हैं। इसी दिशा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में भी हरिद्वार कुंभ, हरिद्वार- ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर, नंदा देवी राजजात, सरयू रिवर फ्रंट सहित कई परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन किया गया है। गंगा, यमुना, चारधाम, आदि कैलाश और कई शक्ति पीठों की पुण्य भूमि होने के कारण, उत्तराखंड दुनिया भर के सनातन मतावलंबियों की आस्था का केंद्र रहा है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार, उत्तराखंड को धार्मिक, आध्यात्मिक पर्यटन - तीर्थाटन के प्रमुख केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है। इससे प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आने की उम्मीद है। बद्रीनाथ - केदारनाथ पुन निर्माण परियोजना के साथ ही सरकार पहले ही मानसखंड मंदिर माला के तहत 48 मंदिरों के आस पास अवस्थापना विकास के कार्य प्रारंभ कर चुकी है। अब इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में भी ऐसी कई योजनाओं के लिए धनावंटन किया है।कुंभ और गंगा कॉरिडोर: प्रदेश सरकार ने बजट में हरिद्वार कुंभ मेला के लिए एक हजार करोड़ रुपए का प्राविधान किया है। इसके साथ ही हरिद्वार ख़ ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए पूंजीगत निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत दो हजार करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसी तरह आगामी नंदा देवी राजजात के लिए 25 करोड़ रुपए का प्राविधान किया गया है। सरकार तीर्थाटन को बढ़ावा देने के लिए पहले ही शीतकालीन यात्रा प्रारंभ कर चुकी है।रिवर फ्रंट परियोजनाएं: धामी सरकार ने सरयू और अन्य रिवर फ्रंट योजनाओं के साथ ही हरिपुर कालसी में यमुना घाट के लिए भी बजट का प्राविधान किया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। सम्पादक - राजेश पंत
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़ने के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com